व्यवसाय योजना

आय उत्पन्न करने वाली गतिविधि - कटाई और सिलाई

द्वारा

एसएचजी टेलरिंग -सरस्वती स्वयं सहायता समूह

एसएचजी/सीआईजी का नाम	::	सरस्वती
वीएफडीएस का नाम	::	टिक्करी
रेंज (वन परिक्षेत्र)	::	अरसू
डिवीजन	::	लुहरी (आनी)

हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन और आजीविका में सुधार के लिए परियोजना (ज़े.आई.सी.ए. सहायता प्राप्त)

विषयसूची

क्रमांक	विवरण	पृष्ठ/पृष्ठों
1.	पृष्ठभूमि	3
2.	SHG/CIG का विवरण	3
3.	लाभार्थियों का विवरण	4
4.	गांव का भौगोलिक विवरण	4
5.	प्रबंधन	4
6.	ग्राहकों	5
7.	केंद्र का लक्ष्य	5
8.	इस व्यवसाय को शुरू करने का कारण	5
9.	व्यवसाय शुरू करने का प्रारंभिक चरण	5
10.	ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए कुछ प्रमुख विशेषताएं	6
1 1।	कटिंग और टेलरिंग व्यवसाय का विपणन विश्लेषण	6
12.	व्यापार लक्ष्य	6
13.	वित्तीय पूर्वानुमान / अनुमान	6
14.	अर्थशास्त्र का विवरण	7
15.	आय अनुमान	8
16.	आय और व्यय का विश्लेषण (मासिक)	8
17.	समूह में निधि प्रवाह	8
18.	धन और खरीद के स्रोत	9
19.	प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन	9
20.	ऋण चुकौती अनुसूची	9
21.	निगरानी विधि	9
22.	टिप्पणियां	9

1.परिचय

हिमाचल प्रदेश छोटी घाटियों, छोटी पहाड़ियों से लेकर शक्तिशाली पर्वत श्रृंखलाओं से युक्त है। जिनकी ऊँचाई 3000 मीटर से लेकर 6800मीटर तक है विविध आवासों की उपलब्धता के कारण यह जैव विविधता समृद्ध संस्कृति और धार्मिक विरासतों और सुन्दर भूदृश्य शेष समृद्ध है| राज्य का क्षेत्रफल 55,673 वर्ग किलोमीटर है और 75,00,000 की आबादी है राज्य की लगभग 90% आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है कृषि अनुपालन बागवानी जलविद्युत और पर्यटन राज्यों की अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण क्षेत्र है| राज्य में 12 जिले है और कुल जनसंख्या का 6.67% कुल्लू जिले में रहता है। यह जिला लाहौल स्पीति, किन्नौर, शिमला तथा मंडी जिले के साथ अपनी सिमाएं जोड़ता है। व्यास, पार्वती और सतलुज इस जिले की मुख्य नदियां हैं।

कुल्लू हिमाचल प्रदेश में बसा एक खूबसूरत जिला तथा पर्यटक स्थल है। बरसों से इसकी खूबसूरती और हरीयाली पर्यटकों को अपनी ओर खींचती आई है व्यास नदी के किनारे बसा यह स्थान अपने यहां मनाए जाने वाले रंग-बिरंगे दशहरा के लिए प्रसिद्ध है यहां शत्रु शताब्दी में निर्मित रघुनाथ जी का मंदिर भी है जो हिंदुओं का प्रमुख तीर्थ स्थान है।

आनी निर्वाचन क्षेत्र हिमाचल प्रदेश के 68 निर्वाचन क्षेत्रों में से एक है कुल्लू जिले में स्थित यह निर्वाचन क्षेत्र अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित है 2012 में इस क्षेत्र में कुल 72276 मतदाता थे। हमारे यहां वन मंडल आने के तहत तीन परिक्षेत्र आते हैं। जिनमें से दो परिक्षेत्र में JICA परितोषित परियोजना द्वारा कार्य किया जा रहा है। अरसू वन परिक्षेत्र का कार्यालय निरमंड गांव के समीप स्थित है इस परिक्षेत्र के तहत 5 ग्रामीण वन विकास समितियां बनाई गई है।

- वन विकास समिति शटलधार
- वन विकास समिति रल्लू
- वन विकास समिति बडगई
- वन विकास समिति टिकरी खरगा
- वन विकास समिति सरगा

जिस्म अलग-अलग तरह से स्वयं सहायता समूह भी बनाए गए हैं यहां का मुख्य व्यवसाय कृषि और बागवानी है।

हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन और आजीविका सुधार परियोजना जाईका (JICA) प्रारंभ होने पर ग्राम वन विकास समिति **टिक्करी** की सूक्षम योजना बनाई गयी है | परियोजना के माध्यम से **टिक्करी** में स्वयं सहायता समूहों का गठन, "सरस्वती स्वयं सहायता समूह के रूप में किया गया।

इसके बाद "सरस्वती स्वयं सहायता समूह" ने कटिंग और टेलरिंग का कार्य करने का निर्णय लिया। समूह के सदस्य समाज के एक अनुसूचित जन जाति से ताल्लुक रखते हैं । अपनी आर्थिक स्थितियों को बढ़ाने के लिए,उन्होंने कटिंग और टेलरिंग का काम करने का फैसला किया है | "सरस्वती स्वयं सहायता समूह" समूह मे केवल महिलाएं शामिल है । इस समूह में 12 सदस्य शामिल है |

1. SHG/CIG . का विवरण

2.1	एसएचजी/सीआईजी का नाम	::	सरस्वती स्वयं सहायता समूह
2.2	वीएफडीएस	::	**टिक्करी खरगा**
2.3	रेंज (वन परिक्षेत्र)	::	अरसू
2.4	डिवीजन	::	लुहरी (आनी)
2.5	गांव	::	कुम्हार
2.6	खंड	::	निर्मंड
2.7	ज़िला	::	कुल्लू
2.8	एसएचजी में सदस्यों की कुल संख्या	::	12 - महिलाएं
2.9	गठन की तिथि	::	
2.10	बैंक खाता संख्या	::	88341300005699
02.11	बैंक विवरण	::	हि.प्र. ग्रामीण बैंक
2.12	एसएचजी/सीआईजी मासिक बचत	::	100
2.13	कुल बचत		1200
2.14	कुल अंतर-ऋण		-
2.15	नकद ऋण सीमा		--
2.16	चुकौती स्थिति		--

2. लाभार्थियों का विवरण:

अनु क्रमांक	नाम	वर्ग	म	योग्यता
1.	चन्द्र प्रभा	अनुसूचित जाती	34	7th
2.	मिनाक्षी	अनुसूचित जाती	21	12th
3.	संजीता	अनुसूचित जाती	28	8th
4.	गीता देवी	अनुसूचित जाती	33	8th
5.	नारा देवी	अनुसूचित जाती	38	10th
6.	जुबला देवी	अनुसूचित जाती	39	0
7.	प्रेम लता	अनुसूचित जाती	20	+2
8.	हीरा मणि	अनुसूचित जाती	33	8th
9.	अनीता देवी	अनुसूचित जाती	33	8th
10.	पूजा कुमारी	अनुसूचित जाती	33	10th
11.	सीता देवी	अनुसूचित जाती	42	0
12.	राजेंदर कौर	अनुसूचित जाती	40	+2

3. गांव का भौगोलिक विवरण:

3.1	जिला मुख्यालय से दूरी	::	160 किमी
3.2	मेन रोड से दूरी	::	15 किमी
3.3	स्थानीय बाजार का नाम और दूरी	::	रामपुर, 20 किमी
3.4	मुख्य बाजार का नाम और दूरी	::	रामपुर, 20 किमी
3.5	मुख्य शहरों के नाम और दूरी	::	रामपुर, 20 किमी निरमंड, 30 किमी
3.6	उन स्थानों/स्थानों के नाम जहां उत्पाद बेचा/विपणित किया जाएगा	::	रामपुर 20 किमी

4. प्रबंधन

कटिंग एंड टेलरिंग सेंटर एसएचजी टेलरिंग में 12 महिला सदस्य हैं और उनके पास अलग-अलग सिलाई मशीनें होंगी और सामूहिक रूप से अपनी योजना और काम को अंजाम देने के लिए गांव में एक कमरा किराए पर लेंगी। केंद्र में वास्तविक कार्य शुरू होने से पहले सभी सदस्यों को कुछ पेशेवर प्रशिक्षकों के तहत काटने और सिलाई में प्रशिक्षण के लिए एक अल्पकालिक कैप्सूल पाठ्यक्रम प्रदान किया जाएगा।

5. ग्राहकों

हमारे केंद्र के प्राथमिक ग्राहक ज्यादातर महिलाएं और गांव के आसपास के कुछ कपड़ा व्यापारी होंगे लेकिन बाद में इस व्यवसाय को आस-पास के छोटे कस्बों में चला कर के बढ़ाया जा सकता है।

6. केंद्र का लक्ष्य

केंद्र का मुख्य उद्देश्य के निवासियों को अद्वितीय आधुनिक और उच्च श्रेणी की सिलाई विशेष रूप से गांव और आसपास के गांवों के अन्य सभी निवासी को सेवा प्रदान करना है।

यह केंद्र आने वाले वर्षों में अपने संचालन के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण कार्य के साथ सबसे प्रसिद्ध सिलाई केंद्र बनना सुनिश्चित करेगा।

7. इस व्यवसाय को शुरू करने का कारण

इस एसएचजी के सदस्यों के पूर्व अनुभव के कारण जो पहले से ही यहां और वहां एक ही काम कर रहे हैं, इस आईजीए का चयन किया गया है और इसलिए एसएचजी इस व्यवसाय को शुरू कर रहा है। यह विभिन्न सदस्यों के कौशल को संयोजित करने और अधिक आजीविका अर्जित करने के लिए उनकी गतिविधि को बढ़ाने का एक प्रयास है।

8. व्यवसाय शुरू करने का प्रारंभिक चरण

एसएचजी टेलरिंग 12 सदस्यों को उनके उपकरणों के साथ एक केंद्रीय स्थान पर रखने के लिए एक विशाल कमरा किराए पर लेगा जो सभी सदस्यों के लिए आसानी से सुलभ होगा। परियोजना शुरू करने के लिए वित्तीय प्रक्षेपण के साथ विस्तृत आवश्यकता निम्नानुसार होगी:

1. कमरे का किराया =1000/माह

2. फुट पेडल वाली सिलाई मशीन= 8@ 12000= 96000

3. सिलाई मशीन (साधारण) = 4@ 6000= 24000

4. रूम कार्पेट 1@=1500

5. कैंची काटने वाली = 12 @ 600 = 7200

6. दर्जी का पैमाना = 12 @ 200 = 2400

7. मापने वाला टेप = 12 @ 100 = 1200

8. अंकन सामग्री चाक = 500

9. इस्त्री = 12 नं। @700 = 8400

10. सिलाई के धागे अलग-अलग रंग के = 5 pkt @ 500 = 2500

11. तेल लगाने वाली पिपेट = 12 नग @50=600

10. ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए कुछ प्रमुख विशेषताएं

- केंद्र पारंपरिक, गैर-पारंपरिक फैंसी, दैनिक उपयोग के आधुनिक और स्टाइलिश कपड़े की सिलाई सुनिश्चित करेगा ।

-महिलाओं व बच्चों के लिए फैंसी व सादे कपड़े सिलने पर जोर रहेगा ।

- केंद्र सभी प्रकार की खामियों को दूर करेगा और सुनिश्चित करेगा कि कोई भी ग्राहक बिना ध्यान दिए न जाए।

- बाद में एसएचजी रेडीमेड गारमेंट्स की बिक्री-खरीद से अपना कारोबार बढ़ा सकते हैं।

11. कटिंग और टेलरिंग व्यवसाय का विपणन विश्लेषण

यह सबसे महत्वपूर्ण कारक है जो हमारे व्यवसाय की सफलता सुनिश्चित करेगा। कमांड क्षेत्र का विस्तृत विश्लेषण और बाजार सर्वेक्षण आवश्यक घटक है और यह हमें हमारे लक्षित ग्राहकों का अवलोकन देगा और समूह के सदस्य नवीनतम मांगों और रुझानों को जानेंगे।

12. व्यापार लक्ष्य

कोल्था की सिलाई करने वाला यह एसएचजी मोटे तौर पर क्षेत्र और आसपास के गांवों में सबसे अच्छा सिलाई केंद्र बनने का लक्ष्य रखेगा। हमारा लक्ष्य अगले 3-5 वर्षों के भीतर व्यवसाय को धीरे-धीरे बढ़ाना और इसे लाभ कमाने वाली इकाई में बदलना होगा।

13. वित्तीय पूर्वानुमान/अनुमान

व्यवसाय शुरू करने के लिए अंतिम बल्कि सबसे महत्वपूर्ण कदम व्यवसाय चलाने के लिए लागत निर्धारित करने के लिए एक वित्तीय योजना बनाना है और इसमें व्यावसायिक लाभ भी शामिल होना चाहिए जो एसएचजी संक्षेप में अर्जित करने जा रहा है, एक लागत लाभ विश्लेषण का अनुमान लगाया जाना आवश्यक है।

14. अर्थशास्त्र का विवरण:

ए.	पूंजी लागत			
अनु क्रमांक	**विवरण**	**मात्रा**	**प्रति मूल्य**	**कुल राशि (रु.)**
1	फुट पेडल के साथ सिलाई मशीन	08	8000	64000
2	सिलाई मशीन (साधारण)	04	5000	20000
3	कमरे का कालीन	01	1500	1500
4	कैंची काटने वाली	12	600	7200
5	दर्जी का पैमाना	12	200	2400
6	मापने का टेप	12	100	1200
7	इंटरलॉकिंग मशीन	01	6000	6000
8	हैंगर	20	100	2000
9	इनबिल्ट अलमारी के साथ काउंटर टेबल	01	8000	8000
10	स्टूल	12	500	6000
11	इस्त्री	12	700	8400
1 2	अन्य			7000
	कुल पूंजीगत लागत (ए) =			**133700**

बी.	**आवर्ती लागत**			
अनु क्रमांक	**विवरण**	**मात्रा**	**कीमत**	**कुल राशि (रु.)**
1	कमरे का किराया	1	2000	2000
2	अंकन सामग्री चाक आदि	एल/एस	एल/एस	500
3	विभिन्न रंगों का सिलाई धागा	10वर्ग मीटर	500	5000
4	तेल लगाने वाला पिपेट	12	50	600
5.	बटन (विभिन्न प्रकार के)	5 बॉक्स	1000	5000
6.	बुकेरेम	20 मीटर	50	1000
7.	विविध व्यय (यानी बिजली के बिल, मशीनों की मरम्मत, आदि)	एल/एस	एल/एस	1000
कुल आवर्ती लागत (बी)				**14100**

15. आय अनुमान:

इसके साथ शुरू करने के लिए यह अनुमान लगाया गया है कि प्रत्येक सदस्य एक दिन में सभी तरह से एक महिला सूट की सिलाई करेगा। साधारण सूट के लिए आज की स्थिति में सिलाई का शुल्क लगभग 250 प्रति सूट है। समूह के सदस्यों के अन्य घरेलू दायित्वों को ध्यान में रखते हुए समूह के 9 सदस्य औसतन एक महीने में 200 महिलाओं के सूट की सिलाई कर सकते हैं। इसलिए समूह का कुल उत्पादन अनुमानित 200×250 = रु 50000/- मात्र है।

16. आय का विश्लेषण और व्यय (मासिक):

अनुक्रमांक	विवरण	व्यय/माह (रु.)	प्रति माह आय (रु.)
1.	पूंजीगत लागत पर 10% मूल्यह्रास यानी 133700/12x10 = 769.166 या कहें 1114 रुपये।	1114	
2.	कुल आवर्ती लागत	14100	
3.	कुल	**15214**	**50000**
4.	**शुद्ध लाभ (50000 - 15214)**	**34786**	
5.	शुद्ध लाभ का वितरण	• लाभ समूह के सभी सदस्यों के बीच समान रूप से वितरित किया जाएगा। • लाभ का एक हिस्सा IGA में और निवेश के लिए उपयोग किया जाएगा	

17. समूह में निधि प्रवाह:

अनुक्रमांक	विवरण	कुल राशि (रु.)	परियोजना योगदान	एसएचजी योगदान
1	कुल पूंजी लागत	133700	100275	33425
2	कुल आवर्ती लागत	14100	0	7550

ध्यान दें-

- **पूंजी लागत** - कुल पूंजीगत लागत का 75% परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा ।
- **आवर्ती लागत**-पूरी लागत एसएचजी/सीआईजी द्वारा वहन की जाएगी।
- **प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन**- कुल लागत परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा ।

18. धन और खरीद के स्रोत:

परियोजना का समर्थन	• पूंजीगत लागत का 75% मशीनों की खरीद के लिए उपयोग किया जाएगा। • 1 लाख रुपये तक एसएचजी बैंक खाते में रिवॉल्विंग फंड के रूप में जमा किए जाएंगे। • प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत।	सभी कोडल औपचारिकताओं का पालन करने के बाद संबंधित डीएमयू/एफसीसीयू द्वारा मशीनों की खरीद की जाएगी।
एसएचजी योगदान	• पूंजीगत लागत का 75% एसएचजी द्वारा वहन किया जाएगा। • आवर्ती लागत एसएचजी द्वारा वहन की जाने वाली	

19. प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत परियोजना द्वारा वहन की जाएगी। निम्नलिखित कुछ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन प्रस्तावित/आवश्यक हैं:

- टीम वर्क
- गुणवत्ता नियंत्रण
- पैकेजिंग और मार्केटिंग
- वित्तीय प्रबंधन

20. **ऋण चुकौती अनुसूची-** यदि ऋण बैंक से लिया गया है तो यह नकद ऋण सीमा के रूप में होगा और सीसीएल के लिए कोई पुनर्भुगतान अनुसूची नहीं है; हालांकि, सदस्यों से मासिक बचत और चुकौती रसीद सीसीएल के माध्यम से भेजी जानी चाहिए।
    - सीसीएल में, एसएचजी के बकाया मूलधन का बैंकों को साल में एक बार पूरा भुगतान किया जाना चाहिए। ब्याज राशि का भुगतान मासिक आधार पर किया जाना चाहिए।
    - सावधि ऋणों में, चुकौती बैंकों में चुकौती अनुसूची के अनुसार की जानी चाहिए।

21. निगरानी विधि-

- वीएफडीएस की सामाजिक लेखा परीक्षा समिति आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की निगरानी करेगी और प्रक्षेपण के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देगी।
- एसएचजी को प्रत्येक सदस्य के आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की समीक्षा करनी चाहिए और प्रक्षेपण के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देना चाहिए।

22. टिप्पणियां

समूह के सदस्यों की तस्वीरें-

समूह का सहमति पत्र

आज दिनांक 19-08-2023 को स्वंय सहायता समूह "सरस्वती" की बैठक प्रधान "श्री मति चन्द्र प्रभा" की अध्यक्षता में हुई। जिसमें समूह के सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया कि समूह की आय बढ़ाने के लिए "सिलाई कढ़ाई" का कार्य पौधारोपण करने के लिए हिमाचल प्रदेश वन परिस्थितिकी तंत्र प्रबन्धन और आजीविका सुधार योजना (JICA) से जोड़ने की सहमति प्रदान करते है।

प्रधान चन्द्र प्रभा
सरस्वती स्वंय सहायता समूह
कुमाहर (टिकरी)

Mineshi
सचिव
स्वंय सहायता समूह
कुमाहर (टिकरी)

Recomended for Approval

ग्राम वन विकास समिति (VFDS) टिकरी
वार्ड नं. 1, तहसील निरमण्ड, जिला
कुल्लू (हि०प्र०)

वन परिक्षेत्राधिकारी
अर्सू वन परिक्षेत्र
स्थित निरमण्ड जिला कुल्लू

चन्द्र प्रभा	प्रधान
मीनाक्षी	सचिव
संजीता देवी	सदस्य
गीता देवी	"
नारा देवी	"
सुंबला देवी	"
प्रेमलता	"
हिरामणी	"
अनीता देवी	"
पूजा कुमारी	"
जीता देवी	"
राजिन्द्र कौर	"

Approved by DMU Cum DFO

DMU. Cum. Divisional
Forest officer Ani at
Luhri